(c) The Kamani Auditorium was chosen on the recommendation of an expert Russian group which examined the facilities in different Auditoriums of Delhi, including the Vigyan Bhavan. Vigyan Bhavan could not be selected because the stage does not have much depth and was considered unsuitable by the expert group.

With a view to providing maximum opportunities for the general public to view these performances, admissions were ticketed, the number of complimentary invitees being limited to 10 per cent of the seating capacity in any one public performance.

लेह में जिला मुख्यालय के लिए भवन का निर्माण

2581. **श्रीमती पार्वती देवी** : क्या **निर्माण, और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लेह (लद्दाख) में जिला मुख्यालय द्वारा वहां भवनों का निर्माण करने हेतु क्या कार्यवाही की जा रही है; और

(ख) सरकार ने इस वर्ष वहां भवनों का निर्माण करने के लिए कितनी राशि निर्धारित की है, प्रस्तावित निर्माण का ब्यौरा क्या है तथा निर्माण कार्य कब तक पूरा हो जाएगा ?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) और (ख). लेह (लद्दाख) में जिला मुख्यालय द्वारा भवनों का निर्माण करने तथा उक्त प्रयोजन के लिए निधियां निर्दिष्ट करने के बारे में किसी प्रस्ताव का इस मंत्रालय को मालूम नहीं है क्योंकि यह मामला राज्य सरकार की सक्षमता के अन्तर्गत आता है ।

दिल्ली विश्वविद्यालय में संस्कृत अध्यापकों के खाली पद

2582. **श्री दया राम शाक्य** : क्या **शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में संस्कृत अध्यापकों के पद आपात स्थिति के समय से खाली पड़े हैं और अभी तक भरे नहीं गये हैं और इससे संस्कृत विभाग का विकास रुक गया है;

(ख) सरकार द्वारा देश में सभी विश्वविद्यालयों के संस्कृत विभागों के पुनर्गठन एवं विस्तार के लिए क्या उपाय किये जा रहे हैं; और

(ग) संस्कृत में प्रथम श्रेणी में एम०ए० परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों को नौकरियां देने के लिए सरकार ने क्या किया है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा० प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दी गई सूचना के अनुसार इसके संस्कृत विभाग में अध्यापकों का कोई भी पद आपात स्थिति के समय से खाली नहीं पड़ा हुआ है ।

(ख) विभिन्न विश्वविद्यालयों के संस्कृत विभागों की विकास आवश्यकताओं का जायजा लेने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नियुक्त निरीक्षण समिति द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर आयोग ऐसे कार्यक्रमों के लिए सहायता प्रदान करता है जिनकी सिफारिश इन समितियों द्वारा की जाती है और जो आयोग द्वारा स्वीकृत किए जाते हैं । इन कार्यक्रमों में अतिरिक्त स्थान, पुस्तकों और पत्रिकाओं तथा अतिरिक्त कर्मचारियों हेतु प्रावधान शामिल होते हैं ।